अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
"नारीत्व दर्शन"

रेडियो मधुबन ९०.४ एफ. एम. हमेशा से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नारी की सहभागिता और नारी सशक्तिकरण को महत्व देता आया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मद्देनज़र रेडियो मधुबन ने १० दिवसीय सामुदायिक विकास कार्यक्रम आयोजित किया जिसका समापन ८ मार्च, २०१४ को शांतिवन के विशाल प्रांगण में रखा गया।

नारीत्व प्राप्त होने के गौरव तथा नारी की अंतर्निहित क्षमताओं और आंतरिक सौंदर्य को जागृत करने पर केंद्रित इस परियोजना को 'नारीत्व दर्शन' नाम दिया गया। इसके अंतर्गत गतिविधियों में क्षेत्रीय जातीय विकास संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम, खेलकूद, रचनात्मक कार्यशालायें आदि आसपास के क्षेत्रों में आयोजित की गईं। अनुभवी विशेषज्ञों के साथ समसामयिक विषयों जैसे कि निजी एवं सामूहिक स्वास्थ्य, पारिवारिक मूल्य, शिशुपालन एवं स्वास्थ्य, संबंधों में समरसता तथा नारी शक्ति आदि पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम एवं समूह चर्चा भी आयोजित की गयी।

इन १० दिवसीय समाजोन्मुखी कार्यक्रमों में महिलाओं तथा बालिकाओं ने अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया। एक मंच पर एकत्रित होकर सामाजिक महत्व रखने वाले विषयों पर अपने विचार तथा मंतव्यों को व्यक्त करने का सभी महिलाओं के लिये यह एक स्वर्णिम अवसर भी था। ऐसे प्रोत्साहन भरे मंच पर इस प्रकार की नवीनतापूर्ण जानकारी प्रदान करने वाले कार्यक्रम में भाग लेकर प्रफुल्लित हुए कई प्रतिभागियों को अपने बचपन के दिन भी फिर से याद आ गये।

शांतिवन में आयोजित इस समापन समारोह की शोभा बढ़ाने में योगदान रहा बी.के.रजनी, निदेशिका, ब्रहमाकुमारीज़, जापान, श्रीमती पदमा, प्रधान, रेवदर तहसील, श्रीमती उमा, अध्यक्षा, इनर व्हील क्लब एवं श्रीमती विजय, प्रबंधक, शिवमणि होम, आबूरोड। यह समारोह मनाने आबूरोड के ग्रामीण क्षेत्रों से करीब १५० से अधिक महिलायें एकत्रित हुई थीं। रेवदर पब्लिक स्कूल के १० बच्चों ने बालिका मृत्यु पर एक सुंदर नाटक प्रस्तुत किया। हमारे अतिथियों का एक पैनल सत्र भी आयोजित किया गया जिसके माध्यम से उन्होंने अपने अनुभवों द्वारा जनमानस को प्रेरणायें दीं।

इन समारोहों के अंतर्गत 'नारीत्व दर्शन','अच्छी परवरिश'और 'नारी से लक्ष्मी ' विषयों पर एक शीघ्र वक्तृत्व स्पर्धा का आयोजन भी किया गया। इसके अंतर्गत प्रतिभागियों को चिंतन हेतु ३ मिनट का समय दिया गया। इसमें २० वक्ताओं में से बहिन रश्मि, राजहंस कॉलोनी, प्रथम, बहिन शकुन्तला, शिवमणि होम, द्वितीय तथा तीसरा पुरूस्कार बहिन ललिता, गुरूनानक कॉलोनी को मिला। विजेताओं को उनकी उपलब्धियों के लिये मेहमानों द्वारा सम्मानित तथा पुरूस्कृत किया गया।

श्रीमती उमा, अध्यक्षा, इनर व्हील क्लब ने बतलाया कि नारी का सबसे महत्वपूर्ण गुण है सहनशीलता। उन्होंने अपनी माँ का उदाहरण देते हुए कहा कि वो हर समय बच्चों को पढ़ने का प्रोत्साहन देती रहती और कभी भी उन्हें काम करने को नहीं कहती थी, अपनी बीमारी भले सहन करती रहती थी।

श्रीमती पदमा, प्रधान, रेवदर तहसील ने कहा कि नारी का सौंदर्य तब बढ़ता चला जाता है जब वह अपनी मर्यादाओं या 'लक्ष्मण रेखा' के भीतर रहती है इसी से ही उसको मान और सम्मान प्राप्त होता है। उन्होंने आगे कहा कि यदि नारी इन मर्यादाओं में रहे तो हर प्रकार की स्वतंत्रता और उन्नति उसे प्राप्त होती है।

बी.के.रजनी, निदेशिका, ब्रहमाकुमारीज़, जापान ने राजयोग मेडिटेशन का अनुभव कराया तथा आध्यात्मिक ज्ञान से अवगत कराया। उन्होंने सबसे निवेदन किया कि चिंता को जीवन में स्थान न दें बल्कि सदा खुश रहें। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मेडिटेशन के नियमित अभ्यास से हमें खुश रहने की कला आ जाती है।

रेडियो मधुबन प्रबंधक श्री यशवंत पाटिल तथा रेडियो मधुबन, कार्यक्रम प्रबंधक श्री तुलसी ने सभी को महिला दिवस की बधाई रेडियो मधुबन परिवार की ओर से दी। उन्होनें कहा कि रेडियो मधुबन एक ऐसा सामुदायिक मंच प्रदान करता है जहाँ समाज का हर व्यक्ति अपनी कला को प्रकट कर सकता है और लाभ भी ले सकता है। रेडियो मधुबन की टीम ने सभी को समारोह में साथ आने और प्रतिभागी बनने का आभार प्रकट किया।